20/10/2022

हिन्दी

पाठ - 12

उत्तर ⑥ :- श्रीकृष्ण की कृपा से निर्धन सुदामा की दरिद्रता दूर हो गई जहाँ सुदामा की टूटी-फूटी सी झोंपड़ी रहा करती थी, वहाँ अब सोने का महल खड़ा है। जहाँ पैरों मे पहनने को चप्पल तक नहीं थी, वहाँ अब घूमने के लिए हाथी और घोड़े है, पहले सोने के लिए कठोर भूमि थी अब नरम-मुलायम बिस्तर है, जहाँ पहले खाने के लिए चावल नही मिलते थे और आज प्रभु की कृपा से खाने को मनचाही चीज उपलब्ध हैं। परन्तु वे अच्छे नहीं लगते।

उत्तर ⑤ :- झोंपड़ी के स्थान पर भव्य महलों को देखकर उनका मन भ्रमित हो गया कि कहीं मे घूम कर वापस द्वारका ही तो नहीं आ गया फिर भी उन्होंने पूरा गाँव छानते हुए सबसे पूछा लेकिन उन्हें अपनी झोंपड़ी नहीं मिली।

भाषा की बात :- " कै वह टूटी-सी —— ——

⑦ 'मित्रता' संबंधी दोहे लिखने हैं (कोई भी पाँच)